Toppersnotes®
Unleash the topper in you

INFORMATICS ASSISTANT

सूचना सहायक

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर

भाग – 2

भारत का सामान्य ज्ञान एवं तार्किक योग्यता

SIERRA INNOVATIONS

INFORMATICS ASSISTANT

भारत का सामान्य ज्ञान एवं तार्किक योग्यता

क्र.सं.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
	भारतीय भूगोल	
1.	भारत की स्थिति एवं विस्तार	1
2.	भारत के भौगोलिक प्रदेश	5
3.	भारत का अपवाह तंत्र	15
4.	वन्य जीव जंतु एवं अभ्यारण	34
5.	भारत में कृषि	42
6.	भारत की मृदा	45
7.	भारत की जलवायु	47
8.	भारत में खनिजों का वितरण	57
9.	भारत के प्रमुख उद्योग	60
10.	भारत में परिवहन	65
11.	भारत की जनजातियाँ	70
	भारतीय इतिहास (प्राचीन इतिहास)	
1.	प्राचीन इतिहास	71
2.	सिन्धु घाटी सभ्यता	72
3.	वैदिक सभ्यता	75
4.	बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म	79
5.	महाजनपद काल	81
6.	मौर्यवंश	83
7.	मौर्योत्तर काल	85
8.	गुप्तवंश	86
9.	गुप्तोत्तर काल	88
	मध्यकालीन भारत	
10.	भारत पर मुस्लिम आक्रमण	91
11.	सल्तनत काल	91
12.	मुगल काल	96
13.	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	101
14.	मराठा उदभव	103

	आधुनिक भारत का इतिहास	
15.	भारत में यूरोपीयन कम्पनियों का आगमन	105
16.	मराठा शक्ति का उत्कर्ष	107
17.	अंग्रेजों की भू–राजस्व नीतियाँ	109
18.	आंग्ल–मैसूर संघर्ष	110
19.	आंग्ल–सिक्ख संघर्ष	111
20.	गवर्नर जनरल	112
21.	भारत के वायरराय	114
22.	1857 की क्रांति	116
23.	धर्म एवं समाज सुधार आन्दोलन	117
24.	राष्ट्रीय आन्दोलन	119
25.	गाँधी युग	120
26.	भारत में क्रान्तिकारी संगठन	130
	भारतीय संविधान	
1.	संविधान का विकास	132
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	133
3.	संविधान के भाग	135
4.	अनुसूचियां	147
5.	प्रस्तावना	148
6.	संघ	149
7.	संसदीय समितियाँ	158
8.	न्यायपालिका	159
9.	राज्य	161
	तार्किक योग्यता	
1.	श्रृंखला	176
2.	अंग्रेजी वर्णमाला परीक्षण	179
3.	कूट–भाषा परीक्षण	183
4.	दिशा और दूरी परीक्षण	187
5.	बैठक व्यवस्था	193
6.	क्रम और रैंकिंग	198
7.	रक्त संबंध	201
8.	वेन आरेख	207
9.	पासा	212
10.	आकृतियों की गणना	216

11.	तार्किक विचार ● कथन और धारणा ● कथन और तर्क ● कथन और निष्कर्ष ● कथन और कार्यवाही ● निर्णय एवं समस्या समाधान	 223 228 232 236 240
12.	कैलेण्डर	245
13.	लुप्त पदों का भरना	248
14.	दर्पण प्रतिबिम्ब	255
15.	आंकडों की पर्याप्तता	259
16.	संख्या पद्धति	264
17.	करणी एवं घातांक	271
18.	लाभ – हानि	279
19.	अनुपात एवं समानुपात	284
20.	औसत	288
21.	डाटा इंटरप्रिटेशन	292

प्रिय विद्यार्थी, टॉपर्सनोट्स चुनने के लिए धन्यवाद।

नोट्स में दिए गए QR कोड्स को स्कैन करने लिए टॉपर्स नोट्स ऐप डाउनलोड करे।

ऐप डाउनलोड करने के लिए दिशा निर्देश देखे :-

ऐप इनस्टॉल करने के लिए आप अपने मोबाइल फ़ोन के कैमरा से या गूगल लेंस से QR स्कैन करें।

टॉपर्सनोट्स एग्जाम प्रिपरेशन ऐप

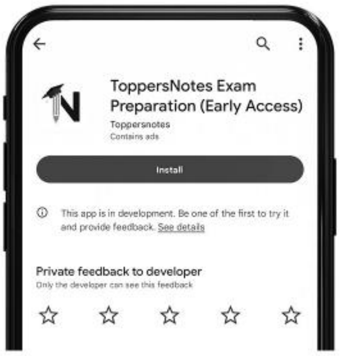

टॉपर्सनोट्स ऐप डाउनलोड करें गूगल प्ले स्टोर से।

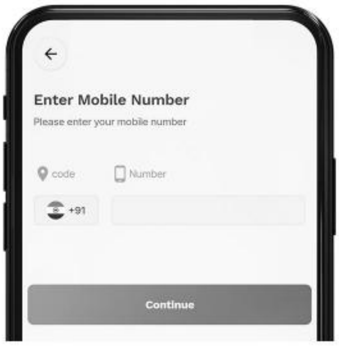

लॉग इन करने के लिए अपना **मोबाइल नंबर** दर्ज करें।

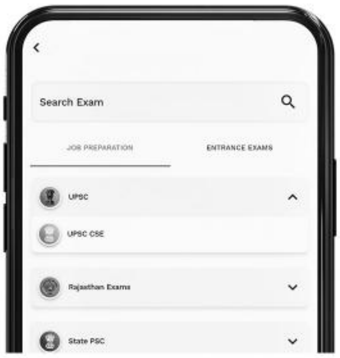

अपनी **परीक्षा श्रेणी** चुनें।

सर्च बटन पर क्लिक करें।

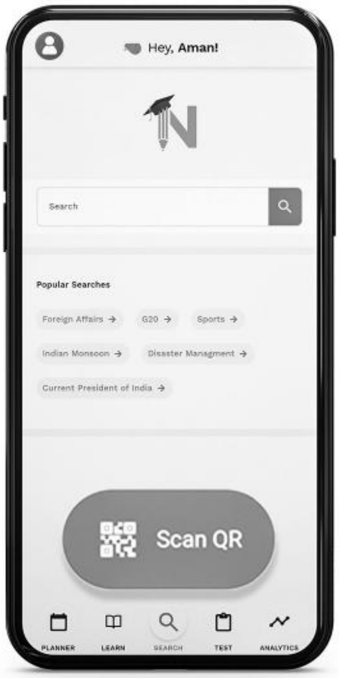

SCAN QR पर क्लिक करें।

किताब के **QR कोड को स्कैन** करें।

- सोल्युशन वीडियो
- डाउट वीडियो
- कॉन्सेप्ट वीडियो

- अतिरिक्त पाठ्य-सामग्री

- विषयवार अभ्यास
- कमजोर टॉपिक विश्लेषण

- रैंक प्रेडिक्टर
- टेस्ट प्रैक्टिस

किसी भी तकनीकी सहायता के लिए **hello@toppersnotes.com** पर मेल करें या **766 56 41122** पर whatsapp करें।

भारत की स्थिति और विस्तार

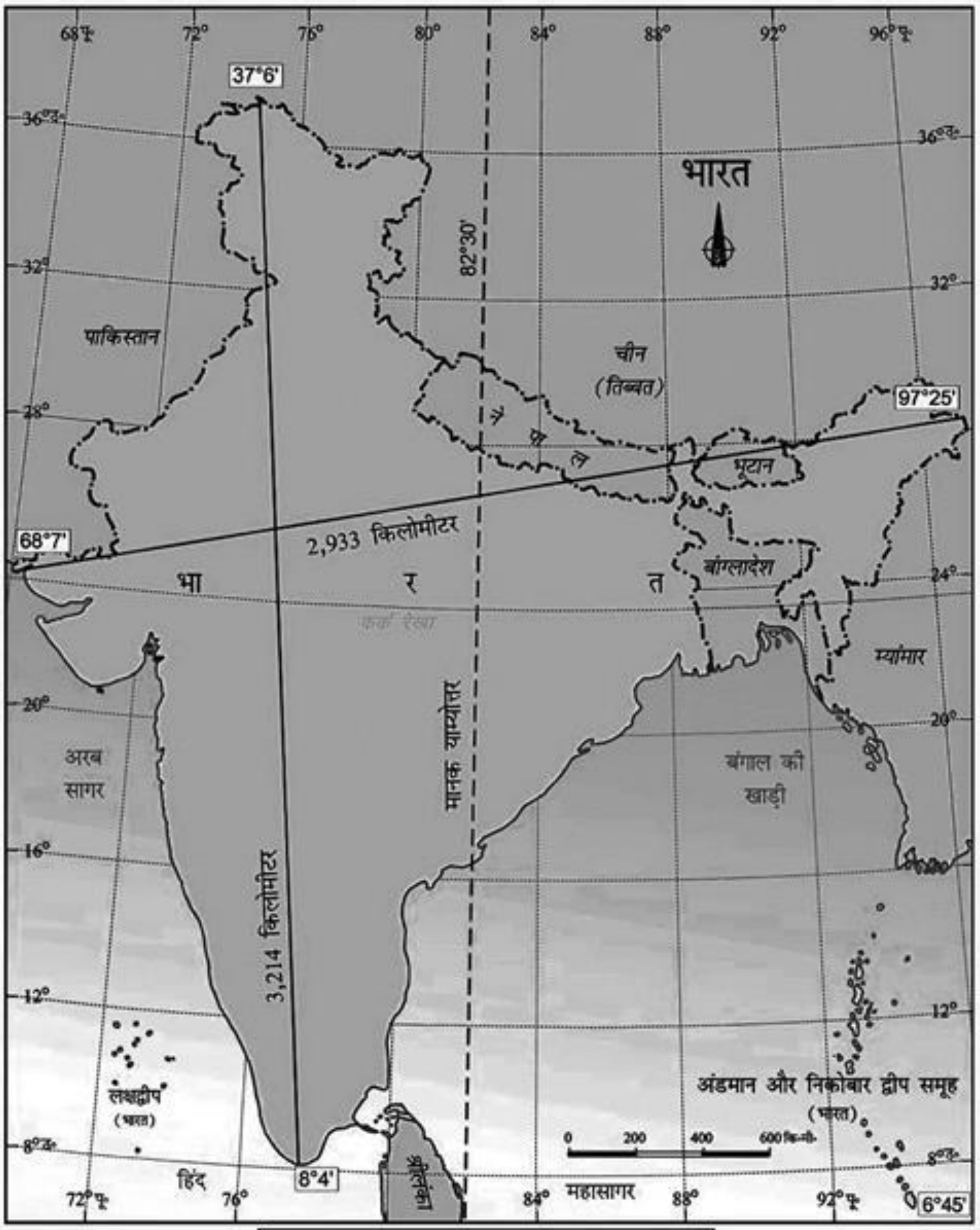

भारत – विस्तार एवं मानक समय रेखा

- **उत्तरी गोलार्ध** में स्थिति (**8°4' उत्तर से 37°6' उत्तर अक्षांश ; पूर्व 68°7 से पूर्वी देशांतर 97°25)**
- **सीमाएं :**
  - **उत्तर:** महान हिमालय
  - **पश्चिम:** अरब सागर
  - **पूर्व**: बंगाल की खाड़ी
  - **दक्षिण:** हिंद महासागर।
- विश्व का **7वां सबसे बड़ा देश।**
- **सबसे उत्तरी बिंदु :** इंदिरा कोल
- **सबसे दक्षिणी बिंदु:** अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में इंदिरा पॉइंट।
- **सबसे पूर्वी बिंदु:** अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में किबिथू के पास
- **पश्चिमीतम बिंदु:** कच्छ में सर क्रीक, गुजरात में "गौहर माता " के पास।
- **लंबाई:** 3214 किमी
- **चौड़ाई:** 2933 किमी (अनुदैर्ध्य अंतर: 300 या 2 घंटे)
- **क्षेत्रफल:** 32,87,263 वर्ग किमी (दुनिया का 2.42%)
- **जनसंख्या:** विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश (विश्व की जनसंख्या का 17.5%)
- **कुल भूमि सीमा** = 15,200 किमी।
- **कुल समुद्री सीमा =** 7516.5 किमी (बिना द्वीपों के 6100 किमी)

विश्व में स्थान	देश का नाम	
	क्षेत्रफल के अनुसार	जनसंख्या के अनुसार
प्रथम	रूस	चीन
द्वितीय	कनाडा	भारत
तृतीय	चीन	यू.एस.ए
चतुर्थ	यू. एस. ए.	इंडोनेशिया
पंचम	ब्राजील	पाकिस्तान
षष्ठ	ऑस्ट्रेलिया	नाईजीरिया
सप्तम	भारत	ब्राजील
अष्टम	अर्जेनटीना	बांग्लादेश

भारत के पाँच शीर्ष क्षेत्रफल वाले राज्य

क्र.सं.	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	राजस्थान	3,42,239
2.	मध्यप्रदेश	3,08,252
3.	महाराष्ट्र	3,07,713
4.	उत्तप्रदेश	2,40,928
5.	गुजरात	1,96,024

भारत के शीर्ष क्षेत्रफल वाले 5 जिले

क्र.सं.	जिला	राज्य	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)
1.	कच्छ	गुजरात	45,674
2.	लेह	लद्दाख	45,110
3.	जैसलमेर	राजस्थान	38,401
4.	बिकानेर	राजस्थान	30,247
5.	बाडमेर	राजस्थान	28,387

- सर्वाधिक राज्यों की सीमा को छूने वाला भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश है। उत्तर प्रदेश कुल 8 राज्य एवं 1 केन्द्र शासित प्रदेश से सीमा बनाता है।
  - उत्तराखण्ड
  - हरियाणा
  - दिल्ली (केन्द्र शासित प्रदेश)
  - हिमाचल प्रदेश
  - राजस्थान
  - मध्य प्रदेश
  - छत्तीसगढ
  - झारखण्ड
  - बिहार
- भारत के कुल 9 राज्य एवं - केन्द्र शासित प्रदेश समुद्री तट से लगे हुए हैं।

राज्य

- गुजरात
- महाराष्ट्र
- गोवा
- कर्नाटक
- केरल
- तमिलनाडु
- आंध्र प्रदेश
- उडीसा
- पश्चिम बंगाल

केन्द्र शासित प्रदेश

- लक्षद्वीप
- अण्डमान निकोबार
- दमन और दीव
- पुदुच्चेरी (पांडिचेरी)

- हिमालय को छूने वाले 9 राज्य व 2 केन्द्र शासित प्रदेश हैं।

राज्य

- हिमाचल प्रदेश
- उत्तराखण्ड
- सिक्किम
- अरुणाचल प्रदेश
- नागालैंड
- मणिपुर
- मिजोरम
- त्रिपुरा
- मेघालय
- असम
- पश्चिम बंगाल

केंद्र शासित प्रदेश

- जम्मू कश्मीर
- लेह

- भारत के 8 राज्यों से होकर कर्क रेखा गुजरती है।

राज्य

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिजोरम

- भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य गोवा है।
- भारत का सबसे कम नगरीकृत राज्य हिमाचल प्रदेश है।
- भारत का मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन वाला राज्य है।
- भारत का हरियाणा सबसे कम वन वाला राज्य है।

- भारत का मासिनराम (मेघालय) में सबसे अधिक वर्षा होती है ।
- भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लेह में सबसे कम वर्षा होती है ।
- अरावली पर्वत सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है ।
- हिमालय पर्वत सबसे नवीन पर्वत श्रृंखला है ।
- पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाडी श्रीलंका को भारत से अलग करती है । पाक जलमडरूमध्य को पाक जल संधि के नाम से भी जाना जाता है ।
- मेकमोहन रेखा भारत और तिब्बत के बीच में स्थित है । यह रेखा 1914 में शिमला समझौते में निर्धारित की गयी थी ।
- डूरण्ड रेखा 1893 में सर डूरण्ड द्वारा भारत और अफगानिस्तान के बीच में डूरण्ड रेखा स्थापित की गई थी । परन्तु यह रेखा अब अफगानिस्तान एवं पाकिस्तान के मध्य है ।
- भारत और पाकिस्तान के बीच रेडक्लिफ रेखा है । रेडक्लिफ रेखा का निर्धारण 17 अगस्त, 1947 को सर सिरिल रैडक्लिफ की अध्यक्षता में सीमा आयोग द्वारा किया गया था ।

1. सीमावर्ती सागर –
   - सीमावर्ती सागर क्षेत्र आधार रेखा से 12nm तक स्थित है ।
   - क्षेत्र में भारत का एकाधिकार है ।
2. संलग्न सागर –
   - संलग्न सागर क्षेत्र आधार रेखा से 24nm तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास वित्तीय अधिकार है ।
3. अनन्य आर्थिक क्षेत्र –
   - अनन्य आर्थिक क्षेत्र आधार रेखा से 200**nm** तक स्थित है ।
   - इस क्षेत्र में भारत के पास आर्थिक अधिकार है तथा यहाँ भारत संसाधनों का दोहन, द्वीप निर्माण तथा अनुसंधान आदि कर सकता है ।
4. उच्च सागर
   - यहाँ सभी देशों का समान अधिकार होता है ।

सीमावर्ती देश

- **उत्तर-पश्चिम:** अफगानिस्तान और पाकिस्तान
  - भारत-पाकिस्तान सीमा: **रेडक्लिफ रेखा**
  - पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा: **डूरंड रेखा।**
- **उत्तर**: चीन, भूटान और नेपाल
  - भारत-चीन सीमा: **मैकमोहन रेखा।**
- **पूर्व**: म्यांमार, बांग्लादेश (भारत की बांग्लादेश के साथ सबसे लंबी सीमा है)
- **दक्षिण**: पाक जलडमरूमध्य और मन्नार की खाड़ी के माध्यम से श्री लंका से अलग।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले राज्य

- **बांग्लादेश**: कुल सीमा = 4096 किमी
  - **5 राज्य:** पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम
- **चीन**: कुल सीमा = 3488 किमी
  - **3 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सिक्किम और लद्दाख
- **पाकिस्तान** : कुल सीमा = 3323 किमी
  - **4 राज्य** और 1 केंद्र शासित प्रदेश: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, गुजरात, राजस्थान और लद्दाख
- **नेपाल**: कुल सीमा = 1751 किमी
  - **5 राज्य**: उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल
- **म्यांमार**: कुल सीमा = 1643 किमी
  - **4 राज्य**: अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड
- **भूटान**: कुल सीमा = 699 किमी
  - **4 राज्य:** अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल
- **अफगानिस्तान**: कुल सीमा = 106 किमी
  - **1 केंद्र शासित प्रदेश**: लद्दाख

भारतीय मानक मध्याह्न रेखा:

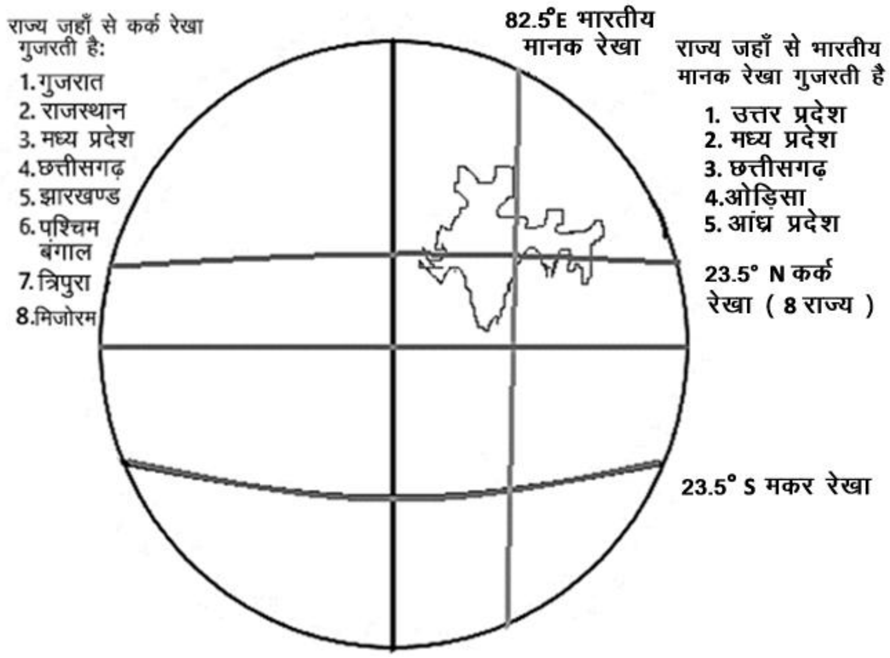

- **भारत की मानक रेखा 82°30'E देशांतर** है जो उत्तर प्रदेश के **मिर्जापुर से होकर गुजरती है** ।
- **इस** पर भारत का मानक समय आधारित है जो **ग्रीनविच मानक समय रेखा से 5 घंटे 30 मिनट आगे है** ।

- **कर्क रेखा** - (23°30′N) गुजरात , राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल , मिजोरम, और त्रिपुरा से गुज़रती है ।

भारत के भौगोलिक प्रदेश

भौतिक विशेषताओं के आधार पर भारत को **6 भौगोलिक भागों** में बांटा गया है -

1. उत्तर एवं उत्तरी-पूर्वी पर्वतमाला
2. उत्तरी मैदान
3. तटीय मैदान
4. प्रायद्वीपीय पठार
5. मरुस्थल
6. द्वीप समूह

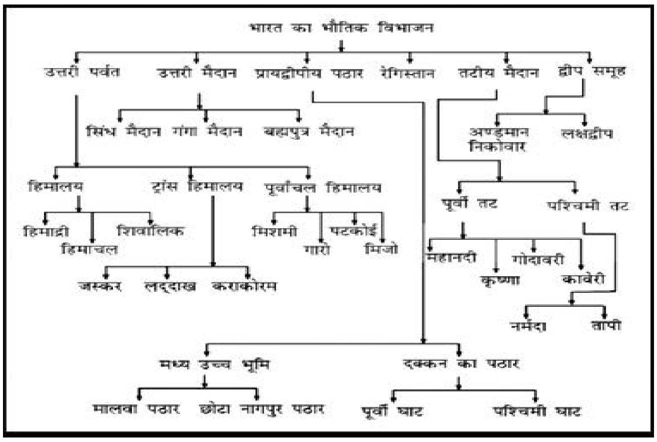

हिमालय पर्वत

हिमालय पर्वत

- हिमालय विश्व की **सर्वाधिक ऊंची** एवं **युवा** (नवीन) **वलित पर्वत** श्रृंखला हैं।
- भूगर्भीय रूप से, हिमालय युवा, अदृढ़ एवं लचीला है क्योंकि इसका **उत्थान** एक **सतत प्रक्रिया** है।
- यह विशेषता इसे **विश्व के सर्वाधिक भूकंप संभावित क्षेत्रों में से एक** बनाती है
- **लम्बाई** :- हिमालय की लम्बाई पूर्व से पश्चिम दिशा में लगभग 2500 किमी है
- **पश्चिमी छोर** :- नंगा पर्वत (सिंधु नदी के सबसे उत्तरी मोड़ के दक्षिण में स्थित है।)
- **पूर्वी छोर**:- नमचा बरवा (यरलुंग , त्संगपो नदी के मोड़ के पश्चिम में स्थित है)
- **चौड़ाई**: 400 किमी -150 किमी (पश्चिम -पूर्व) ।
- हिमालय की **आकृति** चापाकार अथवा **धनुषाकार** है। हिमालय का **क्षेत्रफल** लगभग **5,00,000 वर्ग किमी.** है।
- हिमालय अपने **पूर्वी** छोर एवं **पश्चिमी छोर पर दक्षिणवर्ती मोड़** दर्शाता है।

भौतिक विशेषता

- बहुत **ऊंचे**, **खड़ी ढलान** वाली **दांतेदार चोटियाँ**, **घाटियाँ** और वृहद् **हिमनद।**
- **अपरदन** द्वारा कटी हुई **स्थलाकृति** मिलती है ,विशाल नदी घाटियाँ ,जटिल भूगर्भिक संरचना और उत्कृष्ट श्रृंखलाएं पाई जाती हैं।
- हिमालय का **बड़ा भाग हिमरेखा के नीचे** आता हैं।
- **पर्वत निर्माण** प्रक्रिया अभी भी **सक्रिय** हैं।
- यह अत्यधिक मात्रा में **क्षरण** और **भूस्खलन** होते है।

उत्तर - दक्षिण हिमालय

1. **हिमालय पार / ट्रांस - हिमालय श्रृंखला**
    - इसका अधिकांश भाग तिब्बत में होने के कारण इसे **तिब्बत हिमालय** भी कहते हैं।
    - ट्रांस हिमालय के अन्तर्गत भारत में **काराकोरम**, **लद्दाख** और **जास्कर** पर्वत श्रेणियाँ **अवस्थित** हैं।
    - **स्थिति** :- महान हिमालय के उत्तर में पाया जाता हैं।
    - हिमालय से बहुत पहले **जुरासिक और क्रेटेशियस काल** के बीच में इसका **उत्थान** हुआ।
    - भौगोलिक रूप से यह **हिमालय का भाग नहीं** हैं।
    - **पामीर** से शुरू होता हैं।
    - **गॉडविन ऑस्टेन/ काराकोरम**(K2) (8 ,611 m) - विश्व की दूसरी सबसे ऊंची चोटी तथा भारतीय संघ की सबसे ऊंची चोटी काराकोरम श्रृंखला में हैं।
    - **लम्बाई** -पूर्व - पश्चिम दिशा में 1000 km का विस्तार।
    - औसत **ऊँचाई** -समुद्र तल से 5000m की ऊँचाई पर स्थित।
    - औसत **चौड़ाई** - 40km - 225km
    - **सियाचिन ग्लेशियर** - विह्स्व की सबसे ऊंची युद्ध भूमि
    - **बाल्टारो ग्लेशियर** - काराकोरम श्रृंखला में सबसे बड़ा ग्लेशियर |
    - **काराकोरम दर्रा** -5000m की औसत ऊंचाई पर स्थित; जम्मू कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र में हिमालय के कराकोरम श्रेणियों के मध्य स्थित है।
    - **मुख्य श्रृंखलाएं**
        - **काराकोरम श्रेणी**
            - भारत में **ट्रांस हिमालय** की **सबसे उत्तरी श्रेणी** हैं।
            - **कृष्णागिरी श्रेणी** भी कहा जाता हैं।
            - पामीर से पूर्व में लगभग **800km तक फैला** हैं।
            - **औसत ऊचाई** ;- 5 ,500m या इसे अधिक
        - **लद्दाख श्रेणी**
            - **ज़ास्कर** श्रेणी के **उत्तर** में **स्थित** हैं।

- **उच्चतम बिंदु** -राकापोश - विश्व की सबसे तीव्रतम ढलान वाली चोटी
- लेह के उत्तर में स्थित।
- तिब्बत में **कैलाश श्रेणी** में मिल जाती हैं।
- महत्पूर्ण **दर्रे** - खारदुंगला , और दीगर ला

○ **ज़ास्कर श्रेणी**
- केंद्र शासित प्रदेश **लद्दाख में** स्थित ।
- **ज़ास्कर** को **लद्दाख** से **अलग** करती हैं।
- औसत **ऊंचाई** - लगभग 6 ,000m
- लद्दाख और जास्कर को मानसून से बचाने के लिए एक **जलवायु बाधा** के रूप में कार्य करता हैं - गर्मियों में गर्म और शुष्क जलवायु।
- **प्रमुख दर्रे** - मार्बल दर्रा, ज़ोजिला दर्रा|
- **प्रमुख नदियाँ**- हानले नदी, खुराना नदी, ज़ास्कर
- नदी, सुरु नदी (सिंधु) और शिंगो नदी|

○ **कैलाश श्रेणी**
- लद्दाख शृंखला की **उपशाखा।**
- सबसे **ऊँची छोटी** - कैलाश पर्वत (6714m)
- **सिंधु नदी** का **उद्गम** कैलाश श्रेणी के उत्तरी ढलानों से होता हैं।

2. दीर्घ हिमालय
- इन श्रेणियों को **आंतरिक हिमालय** अथवा **हिमाद्री** भी कहते हैं।
- इसकी औसत **चौड़ाई** 25Km तथा औसत **ऊँचाई** 6100m है।
- हिमालय की लगभग सभी **ऊँची चोटियों** जैसे माउंट एवरेस्ट, कंचनजंगा, नंगा पर्वत इसी भाग में स्थित है जिनका निर्माण पूर्ववर्ती नदियों द्वारा किया गया है, अन्यथा हिमालय पर्वतीय प्रणाली में यह **सबसे अधिक नियमित** (continuous) पर्वत श्रेणी है।
- **विस्तार** - नामचा बरवा पर्वत से नंगा पर्वत (2400km)- दुनिया में सबसे लम्बी पर्वत श्रेणियों में से एक।
- **नंगा पर्वत** - उत्तर-पश्चिम
- **नामचा बरवा** - उत्तर-पूर्व।
- कायांतरित और अवसादी चट्टानों से बने।
- **अन्तर्भाग**- महास्कंध (Batholith) में मेग्मा (ग्रेनाइटिक मेग्मा) अतिक्रमण करता हैं
- उच्च संपीडन के कारण **विषम सिलवटें** हैं और उनके **पूर्वी भाग में खंडित चट्टानें** हैं।
- विश्व की 28 सबसे **ऊँची चोटियों** (> 8000m) में से **14** यहाँ **स्थित** हैं।
- **प्रमुख दर्रे**- ज़ोजिला दर्रा (श्रीनगर को लेह से जोड़ता हैं) ,शिपकी ला, बुर्जिल दर्रा,नाथू ला दर्रा आदि।
- **प्रमुख हिमनद ;**- रोंगबुक हिमनद, (सबसे बड़ी हिमाद्रि), गंगोत्री, ज़ेमू आदि।
- लघु हिमालय से **दून** नामक तलछट से भरी **अनुदैर्ध्य घाटियों** द्वारा अलग।
  ○ **जैसे** ;- पाटली दून, चौखम्बा दून, देहरादून

3. मध्य / लघु हिमालय/ हिमाचल हिमालय
- दक्षिण में **शिवालिक** और उत्तर में **वृहद हिमालय** के **मध्य** स्थित।
- अत्यधिक **संकुचित** और **परिवर्तित चट्टानों** से बना हैं।
- औसत **ऊंचाई** :- 1300-1500 m
- औसत **चौड़ाई** :- 50 से 80 Km तक
- **पीर पंजाल** श्रेणी - सबसे लम्बी
  ○ **झेलम** - ऊपरी ब्यास नदी से शुरू हो कर 300 km से अधिक तक फैली हुई हैं।
  ○ 5000 m तक ऊंची है और इसमें ज्यादातर **ज्वालामुखी चट्टानें** हैं।
  ○ **दर्रे**:-
  - पीरपंजाल दर्रा (3,480m), बनिहाल दर्रा (4 ,270m), गुलाबगढ़ दर्रा (3,812 m) और बनिहाल दर्रा (2 ,835 m)।
  - बनिहाल दर्रा :-जम्मू -श्रीनगर हाईवे और जम्मू - बारामुल्ला रेलवे स्थित हैं।

  ○ **नदी** :- किशनगंगा , झेलम और चेनाब .
  ○ **महत्वपूर्ण घाटियाँ**
  - **कश्मीर घाटी**
    ✓ पीर पंजाल और ज़ास्कर श्रेणी के बीच (औसत ऊँचाई 1 ,585m)।
    ✓ जलोढ़ ,झील (झील जमाव) नदी (नदी क्रिया) और हिमनद जमने से बना हैं । (नदी-संबंधी भू-आकृतियों और हिमरूपी स्थालाकृति)।
    ✓ झेलम नदी इन निक्षेपों से होकर गुजरती है और पीर पंजाल में एक गहरी खाई को काटती है जिससे होकर यह बहती है।
  - **काँगड़ा घाटी**
    ✓ धौलाधार श्रेणी की तली से लेकर व्यास के दक्षिण तक ।
  - **कुल्लू घाटी**
    ✓ रावी के ऊपरी भाग में स्थित।
    ✓ यह एक अनुप्रस्थ घाटी हैं।

  ○ **सबसे महत्वपूर्ण श्रेणी :-** धौलाधर, और महाभारत श्रेणी।
  ○ **कश्मीर** की प्रसिद्ध घाटी , **हिमाचल प्रदेश** में **काँगड़ा** और **कुल्लू** घाटी शामिल हैं।
  - पहाड़ी क्षेत्रो के लिए जाना जाता हैं।

  ○ **झेलम** और **चिनाब नदी** द्वारा अपरदन ।

- **धौलाधर श्रेणी**
  ○ हिमाचल प्रदेश के **पीरपंजाल में विस्तार** - और **रावी नदी** के **द्वारा** इस शृंखला को **काटा** जाता हैं।
- **मसूरी श्रेणी**
  ○ **सतलुज** और **गंगा नदी** को **अलग** करती हैं।
  ○ दक्षिण ढलान खड़ी और वनस्पति रहित (मिट्टी के निर्माण को रोकता) और उत्तरी ढलान अधिक मंद और जंगल से ढकी हैं।
- **उत्तराखंड**
  ○ मसूरी और नाग टिब्बा श्रेणी पायी जाती हैं।

लघु हिमालय की महत्वपूर्ण श्रेणी	क्षेत्र
पीरपंजाल श्रेणी	जम्मू और कश्मीर (कश्मीर घाटी के दक्षिण
धौलाधर श्रेणी	हिमाचल प्रदेश
मसूरी श्रेणी और नाग टिब्बा श्रेणी	उत्तराखड
महाभारत श्रेणी	नेपाल

4. **उप हिमालय / शिवालिक**
   - इन श्रेणियों को **बाह्य हिमालय** भी कहते हैं।
   - औसत **चौड़ाई**: हिमाचल प्रदेश में 50Km से अरुणाचल प्रदेश में 15Km तक
   - औसत **ऊँचाई** - 900m से 1500m
   - **महान मैदान** और **लघु हिमालय** के **बीच** स्थित हैं।
   - **लम्बाई** -2 400km -पोठोहार /पोठवार पठार से ब्रह्मपुत्र घाटी तक ।
   - दक्षिणी ढलान -खड़ी
   - उत्तरी ढलान -मंद
   - 80-90 किमी (तिस्ता और रैदक नदी की घाटी) को छोड़कर **लगभग अखंड** ।
   - **उत्तर** - पूर्वी भारत से लेकर नेपाल तक घने जंगलों से आच्छादित।
   - पंजाब और हिमाचल प्रदेश के दक्षिणी ढलान **लगभग जंगल विहीन** हैं।
   - **घाटियाँ**- अभिनति और पहाड़ियों - अपनति का हिस्सा हैं।

चोस:- पंजाब में शिवालिक पहाड़ियों से जुड़े हुए मैदान ऊपरी भाग में स्थित नदियों का जाल।

विभिन्न नाम

क्षेत्र	शिवालिक के नाम
जम्मू क्षेत्र	जम्मू पहाड़ी
डाफला, मिरि , अबोर और मिश्मी पहाड़ी	अरुणाचल प्रदेश
ढांग श्रृंखला और डुंडवा श्रृंखला	उत्तराखंड
चुरिया घाट पहाड़ी	नेपाल

नदी घाटियों के आधार पर सर सिडनी बर्रार्ड द्वारा विभाजित

कश्मीर /पंजाब / हिमाचल हिमालय

- **सिंधु** और **सतलुज** नदी के **बीच** स्थित।
- **लम्बाई** ;-560 km, **चौड़ाई** :-320 km
- **ज़ास्कर** श्रेणी:- उत्तरी सीमा
- **शिवालिक** श्रेणी:- दक्षिणी सीमा
- **कटक** और **घाटी स्थलाकृति** इसकी विशेषता हैं (कश्मीर घाटी - अभिनति बेसिन) जो झेलम के झीलो के लैक्स्ट्रिन जमाव (करेवा - केसर उगाने के लिए अनुकूल -पुलवामा से पंपोर तक) द्वारा बनाई गए हैं।
- प्रमुख गोखुर झील :- वुलर झील , डल झील
- **"वेल ऑफ कश्मीर"** ("Vale of Kashmir") भी कहते हैं।
- गर्मियों में **100cm वर्षा** होती हैं और **सर्दियों में बर्फ़बारी** होती हैं ।
- कश्मीर का एक मात्र **प्रवेश द्वार** - बनिहाल दर्रा -जवाहर सुरंग (भारत की दूसरी सबसे बड़ी सुरंग)
- **प्रमुख दर्रा** :- बुर्जिल दर्रा , ज़ोजिला दर्रा |

कुमाऊं हिमालय

- **सतलुज** और **काली महाखड्ड** (गोर्ज) के **बीच** में स्थित।
- **लम्बाई** -320km
- **प्रमुख पर्वत श्रृंखला** :- नागटिब्बा, धौलाधर, मसूरी, वृहद हिमालय के अन्य भाग।
- **प्रमुख चोटी**-नंदादेवी कामठ, बद्रीनाथ, केदारनाथ,
- **प्रमुख नदिया** -गंगा , यमुना , पिंडारी,
- **विशेषता** -
  - सर्दियों में बर्फ गिरना।
  - शंकुधारी वन -3200m के ऊपर ,देवदार वन -1600 - 3200m के बीच में पाए जाते हैं।
  - विवर्तनिक घाटियाँ -कुल्लू, मनाली, और काँगड़ा.
  - भूकंप और भूस्खलन की अधिक संभावना।

नेपाल / मध्य हिमालय

- **लम्बाई** - 800km
- पश्चिम में **काली** और पूर्व में **तीस्ता नदी** के **बीच** स्थित हैं।
- महान/वृहद हिमालय की इस भाग में **ऊंचाई सर्वाधिक** होती हैं।
- **प्रमुख चोटिया** - माउंट एवेरेस्ट , कंचनजंगा , मकालू , अन्नपूर्णा , गोसाईनाथ और धौलागिरी ।
- **प्रमुख नदी** - घाघरा , गंडक , कोसी
- **प्रमुख घाटी** - काठमांडू और पोखर झील घाटी ।

असम/पूर्वी हिमालय

- **लम्बाई** -750km
- पश्चिम में **तीस्ता** और पूर्व में **ब्रह्मपुत्र** (दिहांग गोर्ज) के **बीच** स्थित हैं।
- मुख्य रूप से **अरुणाचल प्रदेश** और **भूटान** में स्थित हैं।
- **संकीर्ण अनुदैर्ध्य घाटियाँ** पायी जाती हैं।
- **वर्षा** > 200cms

- भारी वर्षा के कारण **नदी अपरदन** का एक उल्लेखनीय प्रभुत्व दिखाई देता हैं।
- **भूस्खलन** और **भूकंप** बहुत **आम** है जिसे चट्टानें टूट जाती हैं।
- **जनजातियों** का निवास स्थल हैं।
- **महत्वपूर्ण चोटियाँ** -नामचा बरवा (7756m), कूला कांगरी (7554 m), जोमोल्हारी (7327 m).
- **प्रमुख पर्वत** - अक पर्वत , डफला पर्वत , मिरि पर्वत , अबोर पर्वत , मिश्मी पर्वत , और नामचा बरवा , पटकाई बूम , मणिपुर पर्वत ब्लू माउंटेन , त्रिपुरा और ब्रेल श्रेणी।
- **प्रमुख दर्रा**
  - बोमडिला, योंग्याप दर्रा, दिफू, पांगसाओ, सेला, दिहांग, देबांग, तुंगा, और बोम ला

पश्चिम हिमालय	पूर्वी हिमालय
नीची और क्रमिक ढलान	खड़ी और ऊंची ढलान
उच्च अक्षांशो पर स्थित और अधिक ठंडा	निचले अक्षांशों पर स्थित और गरम
दक्षिण पश्चिम मानसून के लिए बाधा नहीं बनता	दक्षिण पश्चिम मानसून के लिए बाधा
शिवालिक से दूर स्थित	शिवालिक के पास स्थित

अरुणाचल हिमालय

- **पूर्वी हिमालय** की **पूर्वी सीमा** बनाता है।
- **नामचा बरवा** - अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में।
- हिमालय पर्वतमाला **पश्चिम कामेंग जिले** में **भूटान से अरुणाचल प्रदेश** में प्रवेश करती है।
- **विशेषताएं**:
  - ऊँचे कटक और गहरी घाटियाँ
  - **ऊंचाई** - समुद्र तल से 800 मीटर से 7,000 मीटर।
  - भूटान हिमालय के **पूर्व से विस्तारित** - पूर्व में दीफू दर्रा।
- **ब्रह्मपुत्र** जैसी तेज बहने वाली नदियों **द्वारा विच्छेदित** जो नामचा बरवा को पार करने के बाद एक गहरी घाटी से बहती है।
  - **बारहमासी** - देश में उच्चतम पनबिजली क्षमता।
- **प्रमुख जनजातियाँ**- मोनपा, अबोर, मिश्मी, न्याशी और नागा- झूमिंग कृषि करते है

पूर्वांचल हिमालय

- भूगर्भीय रूप से **हिमालय का हिस्सा** माना जाता है
- इसमें **संरचनात्मक अंतर** हैं, इसलिए मुख्य हिमालय पर्वतमाला से अलग हैं।
- **ब्रह्मपुत्र** घाटी के **दक्षिण** में स्थित है।
- **अराकान योमा** पर्वत **निर्माण प्रक्रिया** से **संबंधित** हैं।
- ढीली, खंडित **तलछटी चट्टानें** जैसे शेल, मडस्टोन, बलुआ पत्थर, क्वार्टजाइट पायी जाती हैं|
- हिमालय का **सर्वाधिक खंडित भाग**।
- **नागा भ्रंश रेखा** - भूकंप और भूस्खलन वाला क्षेत्र |
- **वर्षा** - 150-200 सेमी
- **घने जंगल** पाए जाते हैं |
- **ऊंचाई** उत्तर से **दक्षिण की ओर घटती** जाती है।
- निचली पहाड़ियाँ में **झूम खेती** प्रचलित है।

भारत के विशाल मैदान

- शिवालिक के दक्षिण में **हिमालयन फ्रंट फॉल्ट** (HFF) द्वारा अलग किया गया।
- हिमालय और प्रायद्वीपीय भारत के बीच एक **संक्रमणकालीन क्षेत्र।**
- सिंधु, गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों के **जलोढ़ निक्षेपों द्वारा निर्मित क्रमिक मैदान**।
  - पश्चिम से पूर्व की ओर लगभग **2400 किमी तक फैला** है।
- **चौड़ाई-** असम में 90-100 किमी , राजमहल (झारखंड) के पास 160 किमी, बिहार में 200 किमी, इलाहाबाद के पास 280 किमी और पंजाब में 500 किमी।
  - पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ता है।
- हिमालय और प्रायद्वीपीय क्षेत्र की नदियों द्वारा लाए गए **जलोढ़ निक्षेप** मुख्य रूप से शामिल हैं।
- **अधिकतम गहराई**> 8000 मीटर - अंबाला, यमुनानगर और जगाधरी (हरियाणा)।
- दक्षिण-पश्चिम में **थार मरुस्थल** तक विस्तार ।
- **दिल्ली कटक** (278 मीटर) का एक निचला जलविभाजन + **यमुना नदी सतलुज के मैदानों** (सिंधु मैदान का एक हिस्सा) को **गंगा** के **मैदानों से अलग** करते है।

भारत के विशाल मैदान की उत्पत्ति

1. अग्रगर्त का जलोढ़ीकरण
2. भ्रंश घाटी का भरण
3. समुद्र का अपगमन
4. टेथिस सागर के अवशेष
5. आधुनिक विचार

विशाल मैदानों के विभाजन

भारत के उत्तरी मैदानों को उत्तर से दक्षिण की ओर **निम्नलिखित भागों में विभाजित** किया जा सकता है:

- भाबर
- तराई
- खादर
- भांगर

भाबर

- सिंधु से तिस्ता तक **उल्लेखनीय निरंतरता** के साथ शिवालिक के दक्षिण में ।
- बजरी और मिश्रित तलछट से युक्त **8-16 किमी चौड़ी पट्टी का निर्माण** करता हैं।
- ढलान के अचानक ख़त्म होने के कारण हिमालयी नदियों द्वारा यह अवसाद **अग्रभूमि क्षेत्र में जमा** कर दिया गया।
- हिमालय की नदियाँ अवसाद को **जलोढ़ पंख के रूप में तलहटी में जमा** करती हैं।
  - परिष्कृत अवसाद एक साथ मिल जाने से **गिरिपद मैदान या भाबर का निर्माण** होता हैं।
- सबसे अनूठी विशेषता - **छिद्रिलता** (porosity)।
  - जलोढ़ पंख में भारी संख्या में **कंकड़ और चट्टान के मलबे** के जमाव के कारण **बंजर या झरझर मैदान** का निर्माण होता हैं।
  - **कृषि** के लिए **उपयुक्त नहीं** हैं।
- पूर्व में तुलनात्मक रूप से **संकीर्ण** और **पश्चिमी** और **उत्तर-पश्चिमी पहाड़ी क्षेत्र में व्यापक** भाग में पाया जाता हैं।

तराई

- भाबर के दक्षिण में **10-20 किमी चौड़ा दलदली क्षेत्र** - समानांतर फैला हुआ है।
- विशाल मैदानों के पूर्वी भागों में **ब्रह्मपुत्र घाटी** में भारी वर्षा के कारण **व्यापक** ।
- भाबर क्षेत्र की **भूमिगत धाराओं का पुन: उदय** होता है ।
- अधिकांश **तराई भूमि** (विशेष रूप से पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में) को पुनः प्राप्त कर लिया गया है और समय के साथ **कृषि भूमि में बदल** दिया गया है।
- **उच्च वर्षा** होती है और इसमें **अत्यधिक आर्द्रता** होती है।
- **भूमिगत धाराएँ** हैं → भूमि दलदली होती हैं ।
- गेहूं, मक्का, चावल, चावल, गन्ना, आदि के लिए **उपयुक्त।**

खादर

- कई नदियों के बाढ़ के जलोढ़ मैदानों की **नवीन जलोढ़क** ।
- (पंजाब में) **बेट भूमि** भी कहा जाता हैं ।
- नदी के किनारे **नए जलोढ़ निक्षेप** पाए जाते हैं।
- **जलोढ़** - हल्के रंग का और निम्न केल्शियमयुक्त पदार्थ जिसमे रेत, गाद, चीका और मिट्टी के निक्षेप पाए जाते हैं ।
  - प्रत्येक वर्ष **नदी बाढ़ द्वारा जमा** किया जाता हैं ।
  - गंगा के मैदान में **सबसे उपजाऊ मिट्टी** पायी जाती हैं ।
  - इस भाग में **नदियाँ गुम्फित** होती है ।
- **व्यापक खेती** के लिए उपयुक्त।
- पंजाब-हरियाणा के मैदानी इलाकों में नदियों में खादर के व्यापक जलोढ़ मैदान हैं, जिन्हें **ध्यास** के नाम से जाना जाता है।

बांगर या भांगर मैदान

- पुरानी जलोढ़ के निक्षेपण द्वारा निर्मित **जलोढ़ उच्च भूमि** (अपलैंड) हैं।
- मैदानी इलाकों की **बाढ़-सीमा से ऊपर** स्थित है।
- **मुख्य घटक**: चिकनी मिट्टी।
- **ह्यूमस में समृद्ध** - उच्च उपज।
- **कैल्शियम कार्बोनेट नोड्यूल** होते हैं जिन्हें **'कंकर'** के रूप में जाना जाता है - अशुद्ध और दोआब में पाया जाता है।
- **क्षेत्रीय विविधताएं:**
  - **बरिंद का मैदान**- बंगाल का डेल्टा क्षेत्र
  - **भूड/ भूर संरचनाएं** - मध्य गंगा और यमुना दोआब।
  - **'रेह', 'कोल्लर' या 'भूर'** - सुखा क्षेत्र- खारे और क्षारीय प्रवाह के छोटे पथ होते हैं।
    - सिंचाई के विस्तार (केशिका क्रिया - सतह पर लवण का आना) के कारण फैल गया है।

विशाल मैदानों का क्षेत्रीय वर्गीकरण:

1. सिंध का मैदान
2. राजस्थान के मैदान
3. पंजाब का मैदान
4. गंगा मैदान
5. ब्रह्मपुत्र/असम का मैदान
6. उत्तर बंगाल के मैदान
7. छत्तीसगढ़ का मैदान (चावल का कटोरा)

तटीय मैदान

- **क्षेत्र-** 7516.6 किमी (मुख्यभूमि तटरेखा 6100 किमी और द्वीप तटरेखा 1197 किमी)।
- **राज्य**- गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और **केंद्र शासित प्रदेश -** दमन और दीव और पुडुचेरी।
- भारत में तटीय मैदान **2 प्रकार** के होते हैं:

1. पूर्वी तटीय मैदान

- **स्थान:** बंगाल की खाड़ी और पूर्वी घाट के बीच में पाया जाता हैं।
- **चौड़ाई:** 100 - 130 किमी
- **गंगा डेल्टा से कन्याकुमारी** तक विस्तार।
- गोदावरी, महानदी, कावेरी और कृष्ण के **सुविकसित डेल्टाओं द्वारा चिह्नित।**
- **महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताएं** - चिल्का झील और पुलिकट झील (लैगून) पायी जाती हैं |
- **विशाल और सूखा क्षेत्र** → जिसके परिणामस्वरूप स्थानांतरित रेत के टीले पाए जाते हैं।
- **कृषि** के लिए बहुत **उपजाऊ।**
  - कृष्णा नदी का डेल्टा - दक्षिण भारत का अन्न भंडार।
- **प्रकृति में उद्गामी**
  - महाद्वीपीय शेल्फ समुद्र में **500 किमी तक विस्तारित** है, जिससे बंदरगाहों का विकास मुश्किल हो जाता है।

2. पश्चिमी तटीय मैदान

- उत्तर में **खंभात की खाड़ी से केप कोमोरिन** (कन्याकुमारी) तक विस्तार ।
- उत्तर से दक्षिण तक **1600 किमी तक** फैला हुआ है
- **चौड़ाई**- 10 से 25 किमी.
    - बॉम्बे तट पर चौड़ाई सबसे अधिक |
        - तेल से भरपूर।
- **सीधी तटरेखा।**
- 6 महीने की अवधि में **दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाओं से प्रभावित।**
    - इस प्रकार उनके पूर्वी समकक्ष की तुलना में अधिक नम।
- पूर्वी तट की तुलना में **अधिक दांतेदार** |
    - **बंदरगाहों** के विकास के लिए **प्राकृतिक परिस्थितियाँ** प्रदान करता है।
    - **उदा.**- कांडला, मझगांव, जेएलएन (जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह)या न्हावा शेवा , मरमागाओ, मैंगलोर, कोचीन, आदि।
- बड़ी संख्या में **कंदराएं** (एक बहुत छोटी खाड़ी), **क्रीक** और कुछ **ज्वारनदमुख** इसकी विशेषता हैं|
    - **उदा**. नर्मदा और तापी के मुहाने।
- नदियाँ कोई **डेल्टा नहीं** बनाती हैं।
    - इसके बजाय झरनों की एक श्रृंखला बनती हैं।
- **कयाल** - अप्रवाही जल या उथले लैगून ; समुद्र तट के समानांतर स्थित हैं।
    - मछली पकड़ने, अंतर्देशीय नेविगेशन और पर्यटन के लिए उपयोग किया जाता है।
    - **सबसे बड़ी** - वेम्बनाड झील।
- **जलमग्न** तट

प्रायद्वीपीय पठार

विशेषताएं

- आकार में लगभग **त्रिभुजाकार।**
- **विस्तार**:
    - **चोटी** - कन्याकुमारी में।
    - उत्तर-दिल्ली कटक
    - **पूर्व**- राजमहल की पहाड़ियाँ
    - **पश्चिम**- गिर श्रंखला
    - **दक्षिण**- इलायची पहाड़ियाँ
- **उत्तर-पूर्व** यानी शिलांग और कार्बी-एंग्लोंग पठार में भी विस्तार देखा गया है।
- **क्षेत्रफल** - 16 लाख वर्ग किमी (संपूर्ण भारत 32 लाख वर्ग किमी है)।
- **ऊँचाई**- समुद्र तल से 600-900 मीटर (प्रत्येक क्षेत्र में भिन्न होती है)।
- अधिकांश नदियाँ **पश्चिम से पूर्व की ओर** बहती हैं जो सामान्य ढाल का संकेत देती हैं।
    - **अपवाद**: नर्मदा-ताप्ती नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती हैं |
- पृथ्वी के **सबसे पुराने और सबसे स्थिर भू-आकृतियों** में से एक।
- अत्यधिक **स्थिर खंड/ ब्लॉक** ज्यादातर **आर्कियन नाईस** और **शिस्ट** (शैल का प्रकार) **से बना** है।
- प्रायद्वीपीय भारत अनेक **पठारों से मिलकर बना** है, जैसे हजारीबाग पठार, पलामू पठार, रांची पठार, मालवा पठार, कोयम्बटूर पठार और कर्नाटक पठार आदि।
- **महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताएं**:भ्रंशोत्थ/ ब्लॉक पर्वत ,भ्रंश घाटी, चट्टानी संरचनाएं, आदि जल भंडारण के लिए प्राकृतिक स्थलों का निर्माण करते हैं ।
- सुविधाओं के आधार पर **3 समूह में बांटा गया हैं –**

A. केन्द्रीय उच्च भूमि

- **प्रायद्वीपीय पठार** का **उत्तरी भाग।**
- मध्य भारत पत्थर/मध्य भारत पठार/. केंद्रीय उच्च भूमि,(सेंट्रल हाइलैंड्स) भी कहा जाता हैं
- मारवाड़ के **पूर्व या मेवाड़ उच्च भूमि**।
- **स्थिति :-**
    - **नर्मदा** नदी के **उत्तर** में।
    - **पश्चिम** - अरावली।
    - **दक्षिण**- सतपुड़ा पर्वतमाला (बिखरे हुए पठारों की एक श्रृंखला द्वारा निर्मित)
- **सामान्य ऊंचाई**: 700-1,000 वर्ग मीटर
- **ढलान** - उत्तर और उत्तरपूर्वी दिशा में।
- **नदियाँ:**
    - **चंबल नदी** - भ्रंश घाटी का निर्माण करती हैं।
    - **काली सिंध**
    - **सहायक नदियाँ**- बनास, परवन और पार्वती।

प्रमुख पठार

मारवाड़ अपलैंड या मेवाड़ पठार	• राजस्थान में **अरावली के पूर्व में स्थित** • **बनास** नदी और उसकी सहायक नदियों **बेराच** नदी, **खारी नदियों** द्वारा उकेरा गया एक सपाट मैदान। • **औसत ऊंचाई** - समुद्र तल से 250-500 मीटर। • विंध्य काल के **बलुआ पत्थर**, **शैल** और **चूना पत्थर** से बना है।

मध्य भारत पठार	• **मारवाड़ अपलैंड** के पूर्व। • **केंद्रीय उच्च भूमि** भी कहते हैं| • **प्रमुख नदी**- चंबल। ○ **अन्य** -काली-सिंध, बनास और पार्वती।

मालवा का पठार	• मध्य प्रदेश ,अरावली और विन्ध्याचल के बीच में स्थित है।
	• **काली मिट्टी**-व्यापक लावा प्रवाह से निर्मित|
	  ○ अरावली श्रेणी - पश्चिम
	  ○ नर्मदा नदी - दक्षिणी सीमा बनाती हैं।
	  ○ बुंदेलखंड - पूर्व
	• **पश्चिम**-अरावली श्रेणी
	• **उत्तर-मध्य भारत** पठार
	• **2 जल प्रवाह प्रणाली:**
	  ○ **अरब सागर** -नर्मदा, ताप्ति और माही
	  ○ **बंगाल** की **खाड़ी** -चंबल और बेतवा, यमुना

बुंदेलखंड का पठार	• **उत्तरप्रदेश** और **मध्यप्रदेश के पूर्वोत्तर में** स्थित हैं।
	• यहाँ **गहन अपरदन**, **अर्ध-शुष्क जलवायु** पायी जाती हैं जो खेती के लिए अनुपयुक्त हैं।
	• '**बुंदेलखंड नाईस** ' की गहरी घाटी के ऊपरी इलाकों से विभाजित, जिसमें ग्रेनाइट और गनीस शामिल हैं।
	सीमाएं:
	  ○ उत्तर-यमुना नदी
	  ○ पश्चिम-**मध्य भारत** का **पठार**.
	  ○ पूर्व-विंध्य स्कार्पलैंड्स
	  ○ दक्षिण और दक्षिण -पूर्व में मालवा का पठार।
	• **औसत ऊंचाई-** समुद्र तल से 300-600 मीटर
	• विंध्य सीधी ढाल /स्कार्प से यमुना नदी की ओर ढलान।
	• **विशेषता** -अधिक पुरानी स्थलाकृतियाँ ।
	• **नदियाँ**: बेतवा, धसान और केन।

बघेलखंड पठार	• **मैकाल श्रेणी के उत्तर से पूर्व** की ओर स्थित है। • **विस्तार** -यूपी, एमपी और छत्तीसगढ़ में| • पश्चिम में **चूना पत्थर** ,**बलुआ पत्थर** और पूर्व में **ग्रेनाइट** से बना है। • गंगा बेसिन को **महानदी बेसिन से अलग** करती है। • उत्तर में **सोन नदी से घिरा।** ○ **रिहंद बांध** और **गोविंद बल्लभ पंत सागर जलाशय** (भारत की सबसे बड़ी मानव निर्मित झील)। • **धारवाड़** और **गोंडवाना चट्टानें** शामिल हैं। • **प्रमुख कोयला क्षेत्र-** सोहागपुर और शहडोल कोयला क्षेत्र • **सामान्य ऊंचाई:** 150 मीटर से 1,200 मीटर| • मध्य खंड सोन जल निकासी प्रणाली (उत्तर) और महानदी नदी प्रणाली (दक्षिण) के बीच **जल विभाजन** के रूप में कार्य करता है

छोटा नागपुर का पठार	• **प्रायद्वीपीय पठार** का उत्तर-पूर्वी भाग।
	• मुख्य रूप से **गोंडवाना चट्टानों से बना** है।
	• **औसत ऊंचाई**: समुद्र तल से 600 से 700 मीटर।
	• उप-पठार की एक श्रृंखला से मिलकर बनता है जिसे पाट भूमि खनिज समृद्ध पठार भी कहा जाता हैं।
	• भारत का **रुर प्रदेश** भी कहा जाता हैं।
	प्रमुख नदियाँ:
	• **उत्तर-पश्चिम**-सोन, दामोदर, सुवर्णरेखा, उत्तर कोयल दक्षिण कोयल और बराकर।
	  ○ दामोदर- पश्चिम से पूर्व की ओर भ्रंश घाटी से होकर बहती है।
	• **गोंडवाना कोयला क्षेत्र** (भारत में सबसे अधिक कोयला आपूर्ति) पाये जाते हैं।
	• **उत्तर पूर्वी** -राजमहल पहाड़ियाँ
	  ○ लावा प्रवाह (बेसाल्टिक) से आच्छादित।
	  ○ उत्तर-दक्षिण दिशा में फैला हैं|

	○ औसत ऊँचाई - 400 मीटर|
काठियावाड़ का पठार	• गुजरात के **काठियावाड़ क्षेत्र** में स्थित हैं | • इसमें कई नलिका जैसे **ज्वालामुखी छिद्र** हैं जो कई पहाड़ी श्रेणीओं को जन्म देते हैं जैसे गिरनार श्रेणी, जूनागढ़ श्रेणी, पावागढ़ श्रेणी आदि। • **नाल सरोवर झी**ल (पक्षी अभयारण्य) - पूर्वोत्तर सीमा। • **उत्तर** - लघु रण • **ज्वालामुखीय पहाड़ियाँ-** मांडव पहाड़ियाँ और बलदा पहाड़ियाँ। • **उच्चतम बिंदु:** माउंट गिरनार।

B. दक्कन का पठार

- आकार में **त्रिकोणीय** हैं।
- **सीमाएँ:-**
  - **उत्तर-पश्चिम** में सतपुड़ा और विंध्य पर्वत श्रेणी
  - **उत्तर** में महादेव और मैकल पर्वत श्रेणी
  - **पश्चिम** में पश्चिमी घाट
  - **पूर्व** में पूर्वी घाट
- **औसत ऊंचाई** - 600 मीटर।
  - **दक्षिण** में **1000 मीटर तक ऊँचा** है, लेकिन **उत्तर** में **500 मीटर तक** कम हो जाता है।
- **ढाल** - पश्चिम से पूर्व की ओर (नदियों के प्रवाह से प्रमाणित)।
- भारत का **विशालतम पठार** है।
- **ज्वालामुखी प्रांतो से बना हुआ** हैं।
- ठोस लावा की **तलछटी परतें** और परतें- **इंटर-ट्रैपिंग संरचना** में बना हुआ हैं।
- दक्कन ट्रैप को **काली मिट्टी के क्षेत्र** के रूप में भी जाना जाता हैं।
  - **कपास** और **गन्ने** की खेती के लिए अच्छी दशाएं उपलब्ध करता हैं ।
  - **समृद्ध खनिज संसाधनों** का घर भी कहा जाता हैं
  - अच्छी **पनबिजली** क्षमता।

प्रमुख पठार

महाराष्ट्र का पठार	• **दक्कन** के **पठार** का **उत्तरी** भाग है। • लावा मूल के **बेसाल्टिक चट्टानों द्वारा** निर्मित | • अपक्षय के कारण **रोलिंग मैदान जैसा** दिखता है। • **क्षैतिज लावा परत** →विशेष प्रकार की स्थलाकृति के द्वारा दक्कन के पठार का निर्माण करती हैं | • **काली कपास मिट्टी** या **रेगुर** से आच्छादित हैं |
कर्नाटक पठार	• इसे **मैसूर पठार** भी कहा जाता हैं | • पश्चिमी और पूर्वी घाटों से दक्षिण की ओर शंकु आकार में **नीलगिरी में विलीन** हो जाती है। • **महाराष्ट्र पठार** के दक्षिण में स्थित है। • **बाबा बुदन** की **पहाड़ी**-लौह अयस्क के लिए जानी जाती हैं | • **रोलिंग पठार** जैसा दिखता है। • **औसत ऊंचाई** - 600-900 मीटर। • पश्चिमी घाट की **नदियों द्वारा** गहन रूप से **विच्छेदित।** • **सबसे ऊँची चोटी-** मुल्लायनगिरी - बाबा बुदन की पहाड़ी - चिकमगलूर। • **2 भाग में विभाजित** ○ मालनाड/ मलेनाडु क्षेत्र - घने जंगलों से आच्छादित एक पहाड़ी क्षेत्र। ○ मैदान - निचली ग्रेनाइट पहाड़ियों वाला रोलिंग मैदान
तेलंगाना का पठार	• **आर्कियन नाईस** से मिलकर बनता है। • **औसत ऊंचाई -** 500-600 मीटर। • **दक्षिणी भाग** उत्तरी **समकक्ष से ऊँचा** है। • **घाटों** और **समप्राय मैदान** में **विभाजित** हैं। • **धारवाड़** चट्टानों और **गोंडवाना चट्टानों** (गोदावरी घाटी) से बना है। • **खनिज** संसाधनों में **समृद्ध** हैं। • **वर्षा** (औसतन 100 सेमी/वर्ष)।

C. पूर्वोत्तर पठार/मेघालय पठार

- असम के **कार्बी आंगलोंग पहाड़ियों** तक विस्तृत \|
- **दक्षिण-पश्चिम मानसून** से **अधिकतम वर्षा** प्राप्त करता है।
  - अत्यधिक **अपरदित**
  - **चेरापूंजी** - किसी भी स्थायी वनस्पति आवरण से रहित सपाट चट्टानी सतह है।

- **खनिज** संसाधनों से **भरपूर** - कोयला, लौह अयस्क, सिलीमेनाइट, चूना पत्थर और यूरेनियम।
- **गारो-राजमहल गैप** इस पठार को मुख्य भाग (ब्लॉक) से अलग करता है।
  - डाउन-फॉल्टिंग द्वारा निर्मित|
  - गंगा और ब्रह्मपुत्र द्वारा जमा तलछट से भरा हुआ।
- **ढाल** - उत्तर में ब्रह्मपुत्र घाटी और दक्षिण में सुरमा और मेघना घाटियों तक है।
- **पश्चिमी सीमा** बांग्लादेश की सीमा से मिलती है।
- पश्चिमी , मध्य और पूर्वी भाग को गारो पहाड़ियाँ (900 मीटर), खासी-जयंतिया पहाड़ी(1,500 मीटर) और मिकिर (रेंगमा) पहाड़ी (700 मीटर)के नाम से भी जाना जाता हैं। ।
- **उच्चतम बिंदु-** शिलांग (1,961 मीटर)।

भारत के द्वीप:

A. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह

- **बंगाल** की **खाड़ी** में
- **उत्तर-दक्षिण दिशा** में 6° 45′ N से 13° 45′ N तक फैला हुआ है।
- **265 बड़े** और **छोटे द्वीपों** से बना [203 अंडमान + 62 निकोबार द्वीप समूह]
- **3 मुख्य समूह** यानी उत्तर, मध्य और दक्षिण में स्थित हैं।
- **डंकन जलसन्धि** - लिटिल अंडमान को दक्षिण अंडमान से अलग करता है।
- उत्तर में अंडमान द्वीप समूह दक्षिण में निकोबार समूह से **"10 डिग्री चैनल"** द्वारा अलग किया गया।
- **प्रमुख जाल अंतराल /ग्रैंड चैनल-** ग्रेट निकोबार द्वीप समूह और इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप के बीच में स्थित|
- **कोको जलडमरूमध्य -** उत्तरी अंडमान द्वीप समूह और म्यांमार के कोको द्वीप समूह।
- **पोर्ट ब्लेयर**- अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी,- दक्षिण अंडमान में।
- **ज्वालामुखीय द्वीप**- बैरन द्वीप और नारकोंडम द्वीप समूह (भारत में एक सक्रिय ज्वालामुखी हैं)।
- **सबसे ऊँची चोटी-** उत्तरी अंडमान में सैडल चोटी (737 मीटर)।
- उष्णकटिबंधीय समुद्री **जलवायु मानसूनी हवाओं के मौसमी प्रवाह से प्रभावित** होती है।
- प्रमुख **भूकंप प्रवण** क्षेत्र।
- **एमराल्ड द्वीप** के नाम से भी जाना जाता है
- **एकमात्र ज्ञात पुरापाषाण काल** के लोगों का घर, प्रहरी।
  - आधुनिक सभ्यता से अछूते पृथ्वी पर **अंतिम मनुष्यों में से एक।**
- **राज्य पशु-** डुगोंग (समुद्री स्तनपायी)।

B. लक्षद्वीप समूह:

- **अरब सागर** में स्थित हैं।
- **36 द्वीपों** का एक समूह जिसका क्षेत्रफल **32 वर्ग किलोमीटर** है।
- **विस्तार** -8 N - 12N अक्षांश के बीच है।
- पहले इसे **लक्कादिव**, **मिनिकॉय**, और **अमिनिदिवी** द्वीप समूह के नाम से जाना जाता था।
- **1 नवंबर 1973** इसका नाम बदला दिया गया था जो कि वर्तमान में हैं।
- **केंद्र शासित प्रदेश** और इसमें 12 प्रवालद्वीप, 3 शैल-भित्ति, 5 डूबे हुए किनारे और 10 बसे हुए द्वीप शामिल हैं।
- केरल तट से 280 - 480 किमी. दूर स्थित हैं|
- **रीयूनियन हॉटस्पॉट ज्वालामुखी** का हिस्सा।
- **मूंगा निक्षेपों** से बना है।
- असंगठित कंकड़, छोटे गोल पत्थर (कोबल्स) और महाशिला (बोल्डर) से युक्त समुद्र तट हैं।
- **मिनिकॉय द्वीप- 9-डिग्री चैनल** के दक्षिण में - दूसरा सबसे बड़ा द्वीप।
- **8 डिग्री चैनल-** मिनिकॉय और मालदीव के द्वीपों को अलग करता है।
- **9 डिग्री चैनल -** मिनिकॉय द्वीप को मुख्य लक्षद्वीप द्वीपसमूह से अलग करता है।
- **पिट्टी द्वीप-** एक पक्षी अभयारण्य- समुद्री कछुओं के लिए महत्वपूर्ण प्रजनन स्थल और भूरे रंग के नुकीले, कम कलगीदार टर्न और अधिक से अधिक कलगी वाले टर्न जैसे कई पेलजिक पक्षियों के लिए जाने जाते हैं|
- **कम ऊंचाई -** समुद्र तल से 5 मीटर कि कम ऊँचाई तक ही उठा हुआ हैं।
- **समतल स्थलाकृति** पायी जाती हैं।
- पहाड़ियाँ, धाराएँ, घाटियाँ आदि अनुपस्थित हैं।

भारत के अन्य द्वीप

- **अब्दुल कलाम द्वीप/व्हीलर द्वीप**
  - **ओडिशा तट** से दूर स्थित ।
  - भारत का **सबसे उन्नत मिसाइल परीक्षण स्थल।**
- **गंगा सागर द्वीप**
  - बंगाल की खाड़ी में **गंगा डेल्टा द्वारा** निर्मित|
  - एक **विशाल द्वीप** हैं|
  - **हिंदू तीर्थ** का महत्वपूर्ण स्थान।
- **हॉलिडे द्वीप**
  - **सुंदरवन** क्षेत्र (पश्चिम बंगाल) का **हिस्सा।**
  - **माल्टा नदी** में स्थित है।
  - **वन्यजीव अभयारण्य** के रूप में भी नामित किया गया है।
- **फुमडी/ तैरते हुए द्वीप**
  - **मणिपुर** में स्थित हैं|
  - **केबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान** का हिस्सा।
  - एल्ड्स हिरण/ **संगाई** के लिए प्रसिद्ध है।
  - **वैश्विक धरोहर** का भाग हैं ।
  - विश्व का **एकमात्र तैरता हुआ राष्ट्रीय उद्यान** ।
- **मुनरो द्वीप**
  - **अष्टमुडी झील** और **कल्लादा नदी** का संगम।
  - दक्षिण भारत में , **केरल के कोल्लम जिले में स्थित** हैं|
  - लगभग **13.4 वर्ग किमी** के कुल क्षेत्रफल वाले **8 छोटे टापुओं का समूह।**

न्यू मूर द्वीप:

- उर्फ **दक्षिण तलपट्टी** और **पुरबाशा द्वीप**।
- गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा क्षेत्र के तट पर बंगाल की खाड़ी में एक छोटा **निर्जन अपतटीय सैंडबार**(बालुका रोध) **स्थालाकृति** (समुद्री स्थालाकृति)।
- नवंबर 1970 के **भोला चक्रवात** के बाद बंगाल की खाड़ी में **उभरा।**
- यह **उभरता** और **जलमग्न** होता रहता है।
- इस क्षेत्र में **तेल** और **प्राकृतिक गैस** के अस्तित्व पर अटकलों के कारण **भारत और बांग्लादेश दोनों ने संप्रभुता का दावा** किया।
- **निर्जन**; कोई स्थायी बंदोबस्त नहीं।

माजुली द्वीप

- **ब्रह्मपुत्र नदी**, असम में एक बड़ा नदी द्वीप।
- ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के मार्ग **परिवर्तन के कारण निर्मित**।
- ब्रह्मपुत्र (उत्तर) और बूढ़ी दिहिंग नदी (दक्षिण)के बीच मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा हैं|
- **भूकम्पों** के कारण **ब्रह्मपुत्र मार्ग** में **परिवर्तन** के कारण **माजुली द्वीप** का **निर्माण** हुआ।
- **असमिया नव-वैष्णव संस्कृति** का निवास।
- एक समृद्ध **जैव विविधता हॉटस्पॉट।**
  - सर्दियों के मौसम में आने वाले **प्रवासी पक्षियों** सहित कई दुर्लभ और **लुप्तप्राय जीव-जंतुओं** की प्रजातियों का घर।
  - **पक्षी**: ग्रेटर एडजुटेंट सारस, पेलिकन, साइबेरियन क्रेन और व्हिसलिंग टील चिड़ियाँ।

भारत का अपवाह तंत्र

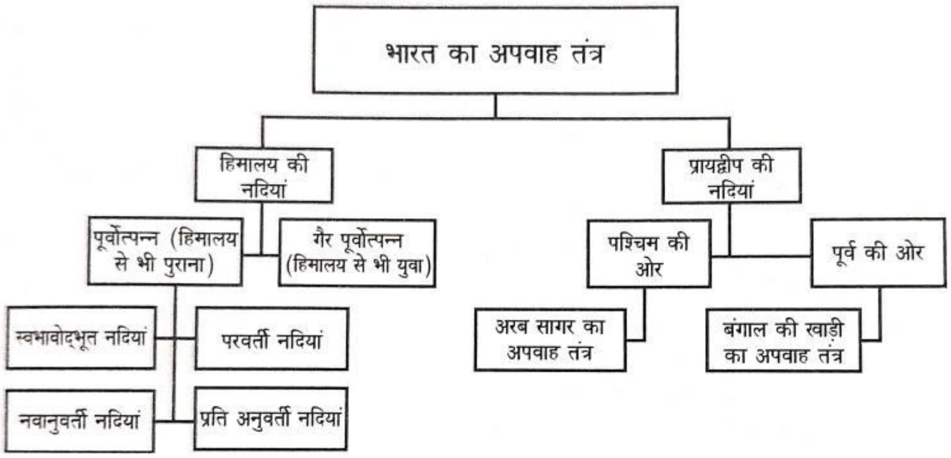

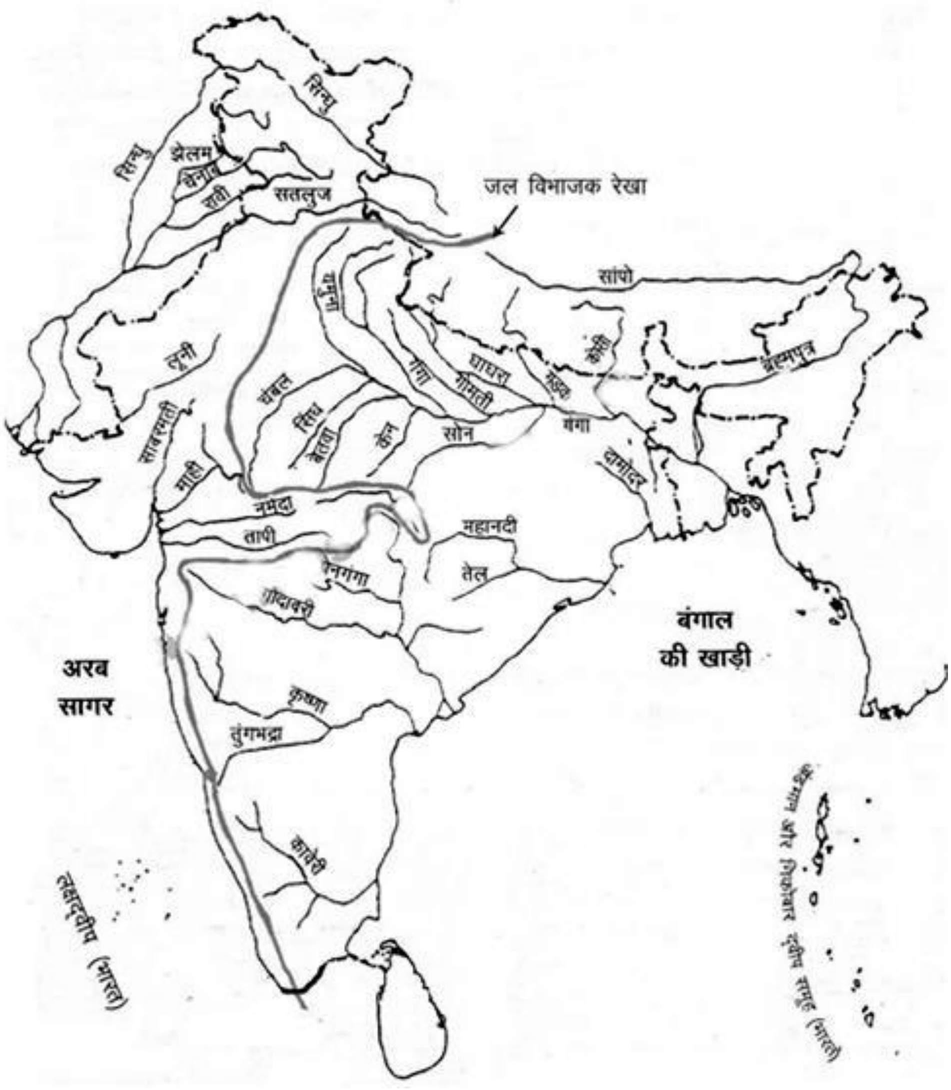

- **जलनिकास/अपवाह प्रणाली -**
  - **निश्चित वाहिकाओं** के माध्यम **से हो रहे जलप्रवाह** को **अपवाह** कहा जाता हैं। तथा इनके **सम्पूर्ण जाल** को **अपवाह प्रणाली** कहा जाता हैं।
  - नदी एंव सहायक नदियों द्वारा अपवाहित क्षेत्र को **अपवाह द्रोणी** कहा जाता हैं।